

**EVANGELISM**  
**EPISODES**  
 Christ's Resurrection Is a Potent Apologetic!  
 Acts 2:22-42

---

---

---

---

---

---

---

---

**A. CHRIST'S RESURRECTION**  
**PROVES HIS LORDSHIP 2:22-36**

---

---

---

---

---

---

---

---

**Phil.2:9-11**

"Wherefore, God also hath highly exalted Him, and given Him a name which is above every name, That at the name of Jesus every knee should bow, of things in heaven, and things in earth, and things under the earth, And that every tongue should confess that Jesus Christ is Lord, to the glory of God, the Father."

---

---

---

---

---

---

---

---

**A. CHRIST'S RESURRECTION PROVES HIS LORDSHIP** 2:22-36

- 1. His Supernatural Life & Substitutionary Death were Preparatory (vs.22-24)
- 2. His Bodily Resurrection was Prophetic (vs.25-36)

---

---

---

---

---

---

---

**B. CHRIST'S RESURRECTION PROVIDES A RELATIONSHIP** 2:37-41

---

---

---

---

---

---

---

"The empty tomb of Christ has been the cradle of the church."

[UNKNOWN SOURCE]

---

---

---

---

---

---

---

**B. CHRIST'S RESURRECTION PROVIDES A  
RELATIONSHIP 2:37-41**

- 1. The Gospel Brings Conviction (v.37)
- 2. The Gospel Brings Conversion (vs.38-41)

---

---

---

---

---

---

---

**C. CHRIST'S RESURRECTION  
PRODUCE OUR DISCIPLESHIP 2:42**

---

---

---

---

---

---

---

**C. CHRIST'S RESURRECTION PRODUCES OUR  
DISCIPLESHIP 2:42**

- 1. Spiritual Growth Commences with a Godly Attitude (v.42a)

---

---

---

---

---

---

---

**2 Cor.5:17**

**"If anyone be in Christ, he is a new creation; old things are passed away, behold, all things have become new."**

---

---

---

---

---

---

---

**Col.3:2**

**"Set your affection on things above, not on things on the earth."**

---

---

---

---

---

---

---

**C. CHRIST'S RESURRECTION PRODUCES OUR DISCIPLESHIP 2:42**

- 1. Spiritual Growth Commences with a Godly Attitude (v.42a)**
- 2. Spiritual Growth Continues with Godly Activity (v.42b)**

---

---

---

---

---

---

---

"It's no good giving me a play like Hamlet or King Lear, and telling me to write a play like that. Shakespeare could do it; I can't. And it is no good showing me a life like the life of Jesus and then telling me to live a life like that. Jesus could do it; I can't. But if the genius of Shakespeare could come and live in me, then I could write plays like that. And if the Spirit of Jesus could come and live in me, then I could live a life like that."

**JOHN STOTT**

---

---

---

---

---

---

---